अपनी बिरज, अपनी भासा

बिरज भासा पतरिका

जुलाई ते सितम्बर-2020

सुविचार

अगर समै पै बुरी आदत ना बदली जाय तौ बुरी आदत तिहारौ समै बदल देगी।

तईयार करबे बारे:-

जगदीश चन्द नैहचैनिया और सतवीर चौधरी

मदत करबे बारे:-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी और कविता योगी

सरकारी योजना

टिड्डीन कौ जत्था आबे पै और रोकथाम के बारे में किसानन काजैं सलाह

यह करैं-

• टिड्डी आबे की सई सूचना किरसी दफतर और इस्थानीय पिरसासन काजैं तुरन्त दैमैं।

• टिड्डीन के जरिये अन्डे दिये जाबे की जिगह, समै और तारीक की सूचना तुरन्त दी जाबै।

• जिन जिगहन पै अन्डा दिये गये हैं, उन जिगहन्नै खोदकैं, पानी भरकैं या जुताई करकैं खतम करैं।

• सिसु झुन्डन कौ रोकथाम दिन में दोपहर के समै के अलावा कभी भी करैं।

• टिड्डीन की सिसु अवस्था रोकथाम करबे काजैं खाई तईयार करैं और टिड्डीन्नैं उनमें गिरबे पै खतम करैं।

• बडी टिड्डीन के दलन कौ रोकथाम सुबह जल्दी और रात में ही करैं।

• चौपाल/रात की पंचायत (सैमीनार) की तईयारी कर टिड्डीन की रोकथाम कौ तरीका संग के किसानन काजैं बतामै।

• अनुमोदित पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) ही काम में लैमैं:- (क्लोरपायरीफौस 20%ई.सी., क्लोरपायरीफौस 50% ई.सी.,डेल्टामेथरीन 2.8% ई.सी., डेल्टामेथरीन 1.25% यू.एल.वी.,डाइल्यूबेन्जूरान 25% डब्ल्यू पी, लेम्ब्डासाईहेलोथ्रीन 5% ई.सी., लेम्ब्डासाईहेलोथ्रीन 10% डब्ल्यू पी, मेलाथियान 50% ई.सी., मेलाथियान 25% डब्ल्यू पी, डस्ट-फेनवलरेट 0.4%डी.पी.,क्यूनालफौस 1.5% डीपी.,मेलाथियौन 5%डी.पी.)

• हातन में दस्ताने, आंखन पै चसमा, नाक, मुंह और मूंड पै कपडा बांधकैं ही छिडकाव करैं और सरीर पै कीटनासक दवाई गिरबे पै तुरन्त साबुन ते धोमैं।

• सरीर पै घाव हो तौ बापै नुकनी मोटी पट्टी बांधै।

• छिडकाव/भुरकाव के समै बचैं, बालकन्नैं और ढोरन्नैं दूर रखैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) के काम में लैबे ते पीछे हातन्नै और सरीर के दूसरे खुले अंग्गन की अच्छी तरै ते सफाई करैं।

• टिड्डीन की सई पहचान करैं।

यह ना करैं:-

• टिड्डी आबे की अफवाह, झूंठी और अधूरी जानकारी दैबे ते बचैं।

• दवा के छिड़काव ते पीछैं टिड्डीन्नैं इकठ्ठी ना करैं।

• छिड़काव की हुई फसल, घास, पेड़-पौधों बारी जिगह में ढोरन्नैं ना जाने दैं।

• सिसु झुन्डन की रोकथाम दोपहर में जब भौत जादा तापमान हो, ना करैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे में लापरवाही ना करैं।

• बडी टिड्डी दलन की रोकथाम दिन में ना करैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे के समै बीडी- सिकरेट ना पीमैं।

• बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे की टैम मंजूर (अनुमोदित) मात्तरा ते जादा ना करैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे की टैम कोई भी तरै की खाबे की चीज ना खामैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे की टैम बिना सुरक्छा किट पहने ना करैं।

• पौद बचाव दवाईन्नैं (रसायनों) काम में लैबे ते पीछैं हातन्नैं और सरीर के दूसरे अंग्गन की सफाई करे बिना कोई खाबे की चीज ना खामैं।

• ततईया, झींगर उछलने और चरचर करबे बारे कीडान्नैं (ग्रीसहोपर्स) और फड़फड़ाने & लहराने को टिड्डी ना समझैं।

टिड्डीन के बारे मे दी जाबे की खबर:-

टिड्डीन की रोकथाम के सिलसिले में कारगर, असरदार और सफल रोकबे कौ तरीका सुरु

करने और उनकी आने वाली हरकतन के बारे में भविस्यवाणी करबे काजैं उनकौ आकार,उनकी उड़बे की दिसा,रंग और ठोसपन (घनत्व) और इसी तरै और भी लम्बी- चौड़ी जानकारी की जरुरत हैबै।

(अ) उड़ाका टिड्डीन कौ झुन्ड:-

1.डिड्डीन के झुन्ड ऐ देखबे की जिगह, समै और उन्नै देखबे की तारीक।

2.दिसा कौ नाम जामै टिड्डी दल आते हुये/उड़ते हुये देखे जाएं और वा दिसा कौ नाम जामै वे बढते हुये देखे जाएं।

3.टिड्डी दल कौ ठोसपन (घनत्व) यानी वे ठोस,घनौ (सघन) और छितरे हुये हैं।

4. उनकौ रंग।

5.उनकौ अनुमान ते आकार यानि उनकी लम्बाई और चौड़ाई।

(ब) बैठौ हुयौ सान्त और इस्थाई टिड्डी दल:-

1.देखने या पतौ लगबे की जिगह, समै और तारीक।

2. उनकौ रंग।

3.दल कौ अनुमान ते आकार।

4.फसल/फसलन्नैं और पेड़-पौधों के नाम जहां टिड्डी दल बैठौ हुयौ है और बाके जरिये पौंहचायौ गयौ अनुमान ते नुकसान, अगर कोई।कछु हुयौ हो।

5.अगर संभोगरत देखौ गयौ।

(स) टिड्डी जन्म देना (प्रजनन):-

1.सुद्द ऐरिया:अन्डान ते या फांकन ते

2. जिगह, गांम, तहसील और जिला।

3.अगर तारीक कौ ग्यान हो तौ यह भी बतामें जब टिड्डी दल नै अंडा दिये हों या अंडान ते फांके के पिरकोप ते गिरस्त ऐरिया के ओर-पास की खड़ी फसलन्नैं, पेड़न्नैं व बाग आदिन की जानकारी दैं।

(द) सिसु टिड्डी:-

1.सिसु टिड्डीन्नै देखबे या उनके बारे में पतौ लगाबे की जिगह, समै और तारीक।

2.उमर- अवस्था यानि छोटे या बड़े।

3.रंग-कारौ/गुलाबी/पीरौ

4.सिसु टिड्डी दल कौ अनुमान ते ऐरिया

5.सिसु टिड्डी दल के पिरकोप ते मारे (पिरभावित) फसल/फसलन्नैं और पेड़-पौधान के नाम और अनुमान ते नुकसान, अगर कोई/कछु हुयौ हो।

या बजै ते अगर तुम टिड्डी दल देखें या उनके बारे में तुमन्नैं कछु खबर मिलै तौ पहलें ऊपर लिखी हुई लम्बी-चौड़ी जानकारी के बारे में पतौ लगाकैं नीचैं दिये गये केन्दरन में ते कोई भी केन्दर के ध्यान में लायौ जाय:-

नजीकी टिड्डी दफतर, किरसी महकमे कौ कोई भी दफतर, राजस्व दफतर, गांव पंचायत, इसकूल, डांकघर, कोई भी दूसरे सरकारी दफतर में।

जादा जानकारी काजैं

नजीकी किरसी महकमे में किरसी सुपरवाइजर/सहायक किरसी अधिकारी ते सम्परक करैं या किसान कौल सैन्टर के फिरी नम्बर 18001801551 पै बात करैं

किरसी महकमे के जरिये किरसक हित में पिरकासित

भजन

गुरु के संग चली जाऊंगी लौट कैं फिर ना आंऊगी

1.मेरे गुरु के बाग भौत हैं बाग की मालिन बन जाऊंगी लौट कैं फिर ना आऊंगी
गुरु के संग चली जाऊंगी लौट कैं फिर ना आंऊगी
2.मेरे गुरु के ताल भौत हैं ताल की धोविन बन जाऊंगी लौट कैं फिर ना आऊंगी
गुरु के संग चली जाऊंगी लौट कैं फिर ना आंऊगी
3.मेरे गुरु कुआ भौत हैं कुआ की धीमर बन जाऊंगी लौटकैं फिर ना आऊंगी
गुरु के संग चली जाऊंगी लौट कैं फिर ना आंऊगी
4.मेरे गुरु के महल भौत हैं महल की रानी बन जाऊंगी लौट कैं फिर ना आऊंगी
गुरु के संग चली जाऊंगी लौट कैं फिर ना आंऊगी

कहावत

1.कहे कौ तौ बेटी-बेटाय ना तौ ईंट पत्थर।
अर्थ- अगर बेटी या बेटा अपने माता पिता का कहना मानता है तो बेटी- बेटा है। नहीं तो वह ईंट या पत्थर के समान है।

2.थोरौ पढ़ौ तौ हर ते गयौ और जादा पढ़ौ घर ते गयौ।
अर्थ- अगर मनुष्य कम पढ़ जाता है तो हल चलाने का भी नहीं रहता है और ज्यादा पढ़ जाता है वह घर का भी नहीं रहता है। क्योंकि उसकी नौकरी लग जाती है तो वह बहार ही नौकरी करता है।

पहेली

1 आठ हात कौ चौंतरा
पच्चीस हात की डोर,
खीचिंगे बालक बच्चे
कौहकिंगे मोर।

उत्तर- हुक्का।

2. हरी थी मन भरी थी
राजा जी के बाग में दुसाला
ओर खडी थी।

उत्तर- मक्का।

सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड स्कूल के पास,
डीग, भरतपुर, राजस्थान- 321203
Mob.- 9587593455, 8058909393, 9772581250
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in